5/5/25 वकील वादी हाजिर। प्रतिवादीगण हाजिर नहीं। पत्रावली वास्ते तलबी दिनांक 9/5/25 को पेश हो।

9/5/25 वकील वादी हाजिर। प्रतिवादीगण हाजिर नहीं। वकील वादी समन तलबाना पेश करने का समय चाहते हैं। पत्रावली दि० 30/6/25 को पेश हो।

30/6/25 वकील वादी हाजिर। प्रतिवादीगण हाजिर नहीं। वकील वादी द्वारा में समन तलबाना प्रस्तुत करें अन्यथा 09 R 5 CPC के तहत कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। पत्रावली वास्ते तलबी दि० 26/8/25 को पेश हो।

U/T अंडर [illegible] 26/8/25

26/8/25 वकील वादी हाजिर। प्रति-ग०1 की ओर से श्री महेन्द्र सिंह अधिवक्ता ने U.T. दी। पत्रावली वास्ते जवाबदावा/प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने हेतु दि० 13/10/25 को पेश हो।

13/10/25 वकील पक्षकारान हाजिर। जवाब दावा/प्रार्थना पत्र प्रस्तुत नहीं किया। [illegible] पत्रावली वास्ते जवाबदावा [illegible] 11/25 को पेश हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Subhash Chandra
Date: 2025.12.11 15:25:26 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner

क्रम	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम,जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
6/11/25	आज पत्रावली वादी के प्रा-पत्र प्रस्तुत करने पर पेश की गई। वादी ने अपने प्रा-पत्र में अंकित किया कि पक्षकारान के मध्य लोक अदालत की भावना से समझौता हो गया है। अतः उक्त वाद आगे चलाना नहीं चाहता है प्रकरण में अपने अधिकारों को सुरक्षित रखते हुए विड्रॉ कराना चाहता है। अतः वादी के प्रा-पत्र के आधार पर वाद-पत्र को वर्तमान स्टेज पर अपने अधिकारों को सुरक्षित रखते हुए विड्रॉ किया जाता है। पत्रावली फैसल होने के बाद दाखिल दफ्तर हो। आदेश सुनाया गया।	Not Pr. 1/58 6.11.25

Signature Not Verified
Digitally signed by Subhash Chandra
Date: 2025.12.11 15:25:26 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner